CBSE Class 9 Social Science Important Questions History Chapter 3 नात्सीवाद और हिटलर का उदय

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1.
हिटलर का पूरा नाम क्या था?
उत्तर:
हिटलर का पूरा नाम एडोल्फ हिटलर था।

प्रश्न 2.
द्वितीय विश्वयुद्ध में मुख्य मित्र राष्ट्र कौन थे?
उत्तर:
द्वितीय विश्व युद्ध में मुख्य मित्र-राष्ट्र थे-ब्रिटेन, फ्रांस, सोवियत संघ तथा अमेरिका।

प्रश्न 3.
धुरी शक्तियों में कौनसे राष्ट्र शामिल थे?
उत्तर:
धुरीशक्तियों में जर्मनी, इटली तथा जापान राष्ट्र शामिल थे।

प्रश्न 4.
हिटलर की पार्टी के लोगों को नात्सी क्यों कहा जाता था?
उत्तर:
हिटलर की पार्टी के नाम का पहला शब्द 'नात्सियोणाल' था। इसलिए उसकी पार्टी के लोगों को नात्सी कहा जाता था।

प्रश्न 5.
'नवम्बर के अपराधी' कहकर किसका मजाक उड़ाया जाता था?
उत्तर:
वाइमर गणराज्य के समर्थकों का, 'नवम्बर के अपराधी' कहकर मजाक उड़ाया जाता था।

प्रश्न 6.
खंदक से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
युद्ध के मोर्चे पर सैनिकों के छिपने के लिए खोदे गए गड्ढे खंदक कहलाते हैं।

प्रश्न 7.
फ्रांसीसियों ने जर्मनी के मुख्य औद्योगिक इलाके रूर पर कब्जा क्यों कर लिया?
उत्तर:
क्योंकि जर्मनी ने फ्रांस का कर्ज और हर्जाना चुकाने से इनकार कर दिया था।

प्रश्न 8.
वॉल स्ट्रीट एक्सचेंज क्या है?
उत्तर:
वालस्ट्रीट एक्सचेंज अमेरिका में स्थित दुनिया का सबसे बड़ा शेयर बाजार है।

प्रश्न 9.
सर्वहाराकरण से आपका क्या आशय है?
उत्तर:
गरीब होते-होते मजदूर वर्ग की आर्थिक स्थिति में पहुँच जाना सर्वहाराकरण कहलाता है।

प्रश्न 10.
नात्सी पार्टी का पूरा या वास्तविक नाम क्या था?
उत्तर:
नेशनल सोशलिस्ट पार्टी।

प्रश्न 11.
प्रोपेगैंडा से क्या आशय है?
उत्तर:
जनमत को प्रभावित करने के लिए पोस्टरों, फिल्मों और भाषणों आदि के माध्यम से किया जाने वाला एक खास तरह का प्रचार प्रोपेगैंडा कहलाता है।

प्रश्न 12.
कंसन्ट्रेशन कैंप क्या थे?
उत्तर:
ऐसे स्थान जहाँ बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के लोगों को कैद रखा जाता था, कंसन्ट्रेशन कैंप कहलाते थे।

प्रश्न 13.
किन्हीं दो विशेष निगरानी और सुरक्षा दस्तों का नाम लिखिये।
उत्तर:

- स्टॉर्म ट्रूपर्स (एसए)
- गेस्तापो (गुप्तचर राज्य पुलिस)।

प्रश्न 14.
हिटलर ने अर्थव्यवस्था को सुधारने की जिम्मेदारी किसे सौंपी?
उत्तर:
अर्थशास्त्री ह्यालमार शाख्त को।

प्रश्न 15.
ह्यालमार शाख्त द्वारा चलाई गयी परियोजना की मुख्य देन क्या थी?
उत्तर:
मशहूर जर्मन सुपर हाइवे तथा जनता की कार-फाक्सवैगन-इस परियोजना की मुख्य देन थी।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 16.
हिटलर ने 'लीग ऑफ नेशंस' की सदस्यता कब त्यागी?
उत्तर:
हिटलर ने सन् 1933 में 'लीग ऑफ नेशंस' की सदस्यता त्यागी।

प्रश्न 17.
हिटलर ने पोलैंड पर हमला कब किया?
उत्तर:
हिटलर ने सितम्बर, 1939 में पोलैंड पर हमला किया।

प्रश्न 18.
हिटलर की ऐतिहासिक बेवकूफी क्या थी?
उत्तर:
जून, 1941 में सोवियत संघ पर हमला हिटलर की ऐतिहासिक बेवकूफी थी।

प्रश्न 19.
अमरीका द्वितीय विश्वयुद्ध में कब कूदा?
उत्तर:
जब जापान ने हिटलर को समर्थन दिया तथा पर्ल हार्बर पर अमेरिकी ठिकानों पर बमबारी की, तब अमरीका द्वितीय विश्वयुद्ध में कूदा।

प्रश्न 20.
'सरवाइवल ऑफ द फिटेस्ट' का सिद्धान्त किसने दिया?
उत्तर:
हर्बर्ट स्पेंसर ने।

प्रश्न 21.
जिप्सी कौन थे?
उत्तर:
अपनी अलग सामुदायिक पहचान वाले कुछ समूहों को श्रेणीबद्ध कर 'जिप्सी' नाम दिया गया था, जैसे सिन्ती तथा रोमा समुदाय।

प्रश्न 22.
घेटो क्या था?
उत्तर:
किसी समुदाय को बाकी समाज से अलग-थलग कर जहाँ रखा जाता था, वह बस्ती घेटो कहलाती थी।

प्रश्न 23.
युवाओं में हिटलर की अत्यधिक दिलचस्पी क्यों थी?
उत्तर:
क्योंकि उसका मानना था कि एक शक्तिशाली नात्सी समाज की स्थापना के लिए बच्चों को नात्सी विचारधारा की घुट्टी पिलाना बहुत जरूरी है।

प्रश्न 24.
हिटलर यूथ क्या था?
उत्तर:
हिटलर यूथ नात्सियों का एक युवा संगठन था। 14 साल की उम्र में सभी लड़कों को हिटलर यूथ की सदस्यता लेनी पड़ती थी।

प्रश्न 25.
हिटलर के नात्सी शासन में गैस चैम्बरों के लिए किस शब्द का प्रयोग किया जाता था?
अथवा
नात्सी गैस चैम्बरों को क्या कहते थे?
उत्तर:
नात्सी गैस चैम्बरों को संक्रमण मुक्ति क्षेत्र कहते थे।

प्रश्न 26.
यहूदियों के विरुद्ध नफरत फैलाने वाली सबसे कुख्यात फिल्म का नाम बताइये।
उत्तर:
'द एटर्नल ज्यू' (अक्षय यहूदी)।

लघूत्तरात्मक प्रश्न-

प्रश्न 1.
नात्सी विचारधारा की चार प्रमुख विशेषताएँ बताइये।
उत्तर:

- नात्सी विचारधारा नस्लवाद की पक्षधर थी।
- वह विश्व दृष्टिकोण में सभी समाजों को बराबरी का हक नहीं देती थी।
- उसकी नजर में नॉर्डिक जर्मन आर्य सबसे ऊपर तथा यहूदी सबसे नीचे थे।
- यह एक व्यक्ति तथा एक दल की तानाशाही में विश्वास करती थी।

प्रश्न 2.
'नाइट ऑफ ब्रोकन ग्लास' घटना क्या है?
उत्तर:
नवम्बर, 1938 के एक जनसंहार में यहूदियों की सम्पत्तियों को तहस-नहस किया गया, लूटा गया, उनके घरों पर हमले हए, यहदी प्रार्थना घर जला दिये गये और उन्हें गिरफ्तार किया गया। इस घटना को ही 'नाइट ऑफ ब्रोकन ग्लास' कहते हैं।

प्रश्न 3.
द्वितीय विश्व युद्ध खत्म होने पर नात्सी युद्धबन्दियों को क्या सजा दी गई?
उत्तर:
द्वितीय विश्व युद्ध खत्म होने पर न्यूरेम्बर्ग में एक अन्तर्राष्ट्रीय सैनिक अदालत स्थापित की गई। इस अदालत ने 11 मुख्य नात्सियों को मौत की सजा दी। शेष आरोपियों में से बहुतों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई। नात्सियों को जो सजा दी गई वह उनकी बर्बरता और अत्याचारों के मुकाबले बहुत कम थी।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 4.
द्वितीय विश्वयुद्ध के साये में जर्मनी द्वारा किये गये जनसंहार का वर्णन कीजिए।
उत्तर:

- द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान जर्मनी द्वारा यूरोप के कुछ विशेष नस्ल के लोगों को सामूहिक रूप से मारा गया।
- इस युद्ध में 60 लाख यहूदी, 2 लाख जिप्सी तथा 10 लाख पोलैण्ड के नागरिक मारे गये।
- मानसिक व शारीरिक रूप से अपंग घोषित किये गये 70,000 जर्मन नागरिक भी मार डाले गये।
- इसके अतिरिक्त न जाने कितने ही राजनीतिक विरोधियों को भी मौत के घाट उतार दिया गया था।

प्रश्न 5.
विशेषाधिकार अधिनियम (इनेबलिंग एक्ट) की प्रमुख बातें बतलाइये।
उत्तर:

- यह अधिनियम 3 मार्च, 1933 को पारित किया गया।
- इस कानून के द्वारा जर्मनी में तानाशाही स्थापित कर दी गयी।
- नात्सी पार्टी तथा उससे जुड़े संगठनों के अलावा सभी राजनीतिक दलों तथा ट्रेड यूनियनों पर पाबन्दी लगा दी गई।
- इस अधिनियम द्वारा जर्मनी में अर्थव्यवस्था, मीडिया, सेना तथा न्यायपालिका पर राज्य का पूरा नियन्त्रण स्थापित हो गया।

प्रश्न 6.
वर्सेलीज (Versailles) की सन्धि के प्रमुख प्रावधानों का वर्णन कीजिए।
अथवा
वर्साय की सन्धि की चार प्रमुख शर्तों का वर्णन करें।
अथवा
"वर्साय की सन्धि बड़ी कठोर तथा अपमानजनक थी।" तीन उदाहरणों के द्वारा इस कथन को स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
वर्साय की कठोर एवं अपमानजनक सन्धि की चार विशेषताएँ निम्न प्रकार हैं-

- जर्मनी को अपने सारे उपनिवेश, लगभग 10 प्रतिशत आबादी, 13 प्रतिशत भूभाग, 75 प्रतिशत लौह भण्डार तथा 26 प्रतिशत कोयला भण्डार फ्रांस, पोलैण्ड, डेनमार्क तथा लिथुआनिया के हवाले करने पड़े।
- जर्मनी की सेना भी भंग कर दी गई।
- युद्ध के कारण हुई सारी तबाही के लिए जर्मनी को जिम्मेदार ठहराया गया तथा उस पर छः अरब पौंड का जुर्माना लगाया गया।
- खनिज संसाधनों वाले राईनलैंड पर भी बीस के दशक में ज्यादातर मित्र राष्ट्रों का ही कब्जा बना रहा।

प्रश्न 7.
जर्मनी में वाइमर गणराज्य की स्थापना किन परिस्थितियों में हुई और इसमें क्या व्यवस्था की गई?
उत्तर:
प्रथम विश्व युद्ध के दौरान 1918 में साम्राज्यवादी जर्मनी की पराजय और सम्राट के पद त्याग ने वहाँ की संसदीय पार्टियों को जर्मन राजनीतिक व्यवस्था को एक नये साँचे में ढालने का अच्छा अवसर उपलब्ध कराया। इसी सिलसिले में वाइमर में एक राष्ट्रीय सभा की बैठक बुलाई गई और संघीय आधार पर एक लोकतांत्रिक संविधान

पारित किया गया और वाइमर गणराज्य की स्थापना हुई। वाइमर गणराज्य की व्यवस्था में जर्मन संसद-राइखस्टाग-के लिए जनप्रतिनिधियों का चुनाव होने लगा। प्रतिनिधियों के निर्वाचन के लिए औरतों सहित सभी वयस्क नागरिकों को समान और सार्वभौमिक मताधिकार प्रदान किया गया।

प्रश्न 8.
वाइमर गणराज्य जर्मनी के बहुत सारे लोगों को रास क्यों नहीं आ रहा था?
उत्तर:
वाइमर गणराज्य जर्मनी के अधिकांश लोगों को रास नहीं आ रहा था क्योंकि-
(1) पहले विश्वयुद्ध में जर्मनी की पराजय के बाद वर्साय संधि के तहत विजयी देशों ने उस पर बहुत कठोर शर्ते थोप दी थीं। बहुत सारे जर्मनों ने इस हार के लिए बल्कि वर्साय में हुए इस अपमान के लिए भी वाइमर गणराज्य को जिम्मेवार ठहराया।

(2) जर्मनी ने पहला विश्व युद्ध कर्ज लेकर लड़ा था और युद्ध के बाद तो उसे स्वर्ण मुद्रा में हर्जाना भी भरना पड़ा। इससे जर्मनी का स्वर्णभंडार लगभग समाप्त हो गया। जर्मनी ने बड़े पैमाने पर मुद्रा छापी। इससे मार्क की कीमत गिरती गई और जर्मनी में अतिमुद्रास्फीति आ गई।

(3) इस काल में जर्मनी में औद्योगिक उत्पादन कम हो रहा था। मजदूर बेरोजगार हो रहे थे; अपराध बढ़ रहे थे। छोटे-छोटे व्यापारी व स्व-व्यवसायियों को सर्वहाराकरण का भय सता रहा था। किसानों का एक बड़ा वर्ग कृषि उत्पादों की कीमतों में गिरावट की वजह से परेशान था।

(4) इस काल में गठबंधन सरकारें सत्ता में आ रही थीं जिससे राजनैतिक अस्थिरता व्याप्त थी। इन सबके कारण जर्मनी के बहुत सारे लोगों को वाइमर गणराज्य रास नहीं आ रहा था।

प्रश्न 9.
प्रथम महायुद्ध ने यूरोपीय समाज और राजनीतिक व्यवस्था पर अपनी गहरी छाप
छोड़ी। कोई चार उदाहरण दीजिये।
उत्तर:

- इस युद्ध के बाद सिपाहियों को नागरिकों के मुकाबले अधिक सम्मान दिया जाने लगा।
- राजनेताओं तथा प्रचारकों ने इस बात पर अधिक जोर दिया कि पुरुषों को आक्रामक, ताकतवर तथा मर्दाना गुणों वाला होना चाहिए।
- सार्वजनिक जीवन में आक्रामक फौजी प्रचार तथा राष्ट्रीय सम्मान व प्रतिष्ठा का बहुत गुणगान होने लगा।
- रूढ़िवादी तानाशाहों को व्यापक जनसमर्थन मिलने लगा तथा लोकतंत्र के विकास में बाधा उत्पन्न हुई।

प्रश्न 10.
जर्मनी के आर्थिक संकट के प्रमुख कारण बतलाइये।
उत्तर:
जर्मनी में उत्पन्न हुए आर्थिक संकट के निम्नलिखित कारण थे-

- जर्मनी ने प्रथम विश्व युद्ध में बहुत ज्यादा पूँजी खर्च की थी।
- जर्मनी ने पहला विश्व युद्ध मोटे तौर पर कर्ज लेकर लड़ा था और युद्ध के बाद उसे स्वर्ण मुद्रा में हर्जाना भी भरना पड़ा। इस सब के परिणामस्वरूप जर्मनी में आर्थिक संकट उत्पन्न हुआ।
- मित्र राष्ट्रों द्वारा जर्मनी पर बहुत कठोर शर्ते थोपी गईं।

https://www.evidyarthi.in/

- जब जर्मनी ने युद्ध का खर्च और हर्जाना चुकाने से इनकार कर दिया तब इसके जवाब में फ्रांसीसियों ने जर्मनी के मुख्य औद्योगिक इलाके रूर पर कब्जा कर लिया। यह भी आर्थिक संकट का एक कारण बना।

प्रश्न 11.
जर्मनी के विभिन्न सामाजिक समुदायों पर आर्थिक संकट का क्या प्रभाव पड़ा?
उत्तर:
जर्मनी के विभिन्न सामाजिक समुदायों पर आर्थिक संकट का निम्न प्रभाव पड़ा-

- मध्यम वर्ग-मुद्रा अवमूल्यन के कारण वेतनभोगी और पेंशनधारी मध्यम वर्ग की बचत कम होती गई।
- व्यवसायी वर्ग-व्यापार ठप होने से व्यवसायियों की हालत खराब होती जा रही थी।
- महिला वर्ग-अपने बच्चों का पेट भर पाने में असफल महिलाओं के मन दुःखी थे।
- कृषक वर्ग-किसान कृषि उत्पादों की कीमतों में बेहिसाब गिरावट की वजह से परेशान थे।
- मजदूर वर्ग-मजदूर या तो बेरोजगार होते जा रहे थे या उनके वेतन काफी गिर चुके थे।
- युवा वर्ग-जैसे-जैसे रोजगार खत्म हो रहे थे, युवा वर्ग आपराधिक गतिविधियों में लिप्त होता जा रहा था।

प्रश्न 12.
1929-32 में संयुक्त राज्य अमेरिका में आई मंदी की व्याख्या करें।
उत्तर:

- 1929 में वॉल स्टीट एक्सचेंज (शेयर बाजार) धराशायी हो गया और कीमतों में गिरावट की आशंका को देखते हुए लोग धड़ाधड़ अपने शेयर बेचने लगे।
- 1929 से 1932 तक के अगले तीन सालों में यू.एस. की राष्ट्रीय आय केवल आधी रह गई।
- फैक्ट्रियाँ बंद हो गई थीं, निर्यात गिरता जा रहा था, किसानों की हालत खराब थी और सट्टेबाज बाजार से पैसा खींचते जा रहे थे।

प्रश्न 13.
1929-32 में आए अमरीकी आर्थिक संकट का जर्मनी पर क्या प्रभाव पड़ा?
उत्तर:
अमेरिकी आर्थिक संकट का जर्मनी पर बहुत प्रभाव पड़ा-

- जर्मनी की अर्थव्यवस्था अमेरिकी अल्पकालीन ऋण पर आधारित थी। 1929 के संकट के बाद अमेरिका ने अपना समर्थन वापस ले लिया जिसका बहुत बुरा प्रभाव जर्मनी की अर्थव्यवस्था पर पड़ा।
- अमेरिकी आर्थिक समर्थन वापस लेने से 1932 में जर्मनी का औद्योगिक उत्पादन 1929 के मुकाबले केवल 40% रह गया था।
- मजदूर या तो बेरोजगार होते जा रहे थे या उनके वेतन में बहुत कमी आ चुकी थी। बेरोजगारों की संख्या 60 लाख तक जा पहुंची थी।

प्रश्न 14.
हिटलर का उदय किस प्रकार हुआ? संक्षिप्त व्याख्या करें।
उत्तर:
हिटलर के उदय को निम्न बिन्दुओं में समझा जा सकता है-

(1) विश्वयुद्ध के दौरान उसने जर्मन वर्कर्स पार्टी नामक एक छोटे से समूह की सदस्यता ले ली। धीरे-धीरे उसने इस संगठन पर अपना नियंत्रण कायम कर लिया और उसे नेशनल सोशलिस्ट पार्टी का नया नाम दिया। इसी पार्टी को बाद में नात्सी पार्टी के नाम से जाना गया।

(2) विश्वयुद्ध के बाद जर्मनी को वर्साय की संधि ने काफी अपमानित किया था। जर्मनी आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा था। हिटलर ने इसे एक अवसर के रूप में लिया। उसने राष्ट्रीय गौरव, रोजगार, संपन्नता, सुरक्षा इत्यादि का मामला उछाला जिससे वह काफी लोकप्रिय हो गया।

(3) 1932 के जर्मन संसदीय चुनाव में नात्सी पार्टी देश की सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी।
(4) 30 जनवरी, 1933 को राष्ट्रपति ने हिटलर को चांसलर का पद-भार सौंपा। 3 मार्च, 1933 को विशेषाधिकार अधिनियम पास हुआ जिसने हिटलर को जर्मनी में तानाशाही स्थापित करने में मदद की।

प्रश्न 15.
किन विशेषताओं के कारण हिटलर एक शक्तिशाली नेता बन पाया?
उत्तर:
निम्न विशेषताओं के कारण हिटलर एक शक्तिशाली नेता बन पाया-

- हिटलर एक जबर्दस्त वक्ता था। वह जर्मनवासियों की आहत भावनाओं को उभारना जानता था। जर्मनी की जनता ने उसके सिद्धान्तों का स्वागत किया।
- उसका वादा था कि वह बेरोजगारों को रोजगार और नौजवानों को एक सुरक्षित भविष्य देगा।
- उसने आश्वासन दिया कि वह देश को विदेशी प्रभाव से मुक्त कराएगा और तमाम विदेशी साजिशों का मुँहतोड़ जवाब देगा तथा वह वर्साय की संधि के अपमान का बदला लेगा।
- हिटलर ने राजनीति की एक नई शैली रची थी जिसके तहत बड़ी-बड़ी रैलियाँ और जनसभाएँ आयोजित की गईं और उनमें हिटलर के प्रति भारी समर्थन दर्शाया गया।
- नात्सियों ने अपने धुआंधार प्रचार के द्वारा हिटलर को एक मसीहा तथा एक रक्षक के रूप में प्रस्तुत किया जिससे जर्मन जनता बहुत प्रभावित हुई।

प्रश्न 16.
लोकतन्त्र की समाप्ति के लिए हिटलर द्वारा उठाये गये किन्हीं तीन कदमों का वर्णन करो।
उत्तर:
लोकतन्त्र की समाप्ति के लिए हिटलर ने निम्न तीन कदम उठाये-

- अग्नि अध्यादेश जारी करना-हिटलर ने 28 फरवरी, 1933 को अग्नि अध्यादेश जारी करके अभिव्यक्ति, प्रेस एवं सभा करने की आजादी जैसे नागरिक अधिकारों को अनिश्चितकाल के लिए निलम्बित कर दिया।
- विशेषाधिकार अधिनियम पारित करना-3 मार्च, 1933 को विशेषाधिकार अधिनियम पारित किया गया। इस कानून के द्वारा जर्मनी में बाकायदा तानाशाही स्थापित कर दी गई।
- विशेष निगरानी तथा सुरक्षा दस्तों का गठन-बचे-खुचे लोकतन्त्र को समाप्त करने के लिए हिटलर ने विशेष निगरानी तथा सुरक्षा दस्तों का गठन किया। ये किसी को भी बिना किसी कानूनी कार्यवाही के गिरफ्तार कर सकते थे।

प्रश्न 17.
आर्थिक संकट से उबरने के लिए हिटलर ने चांसलर के रूप में क्या कदम उठाए?
कौनसी दो बातें जर्मनी के आर्थिक पुनर्निर्माण की प्रतीक हैं?

https://www.evidyarthi.in/

उत्तर:

- आर्थिक संकट से उबरने के लिए हिटलर ने अर्थव्यवस्था पर राज्य का नियंत्रण स्थापित किया।
- अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की जिम्मेदारी अर्थशास्त्री ह्यालमार शाख्त को सौंपी।
- शाखा ने सबसे पहले सरकारी पैसे से चलाये जाने वाले रोजगार संवर्द्धन कार्यक्रम के द्वारा सौ प्रतिशत उत्पादन तथा सौ प्रतिशत रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य तय किया।

जर्मनी के आर्थिक पुनर्निर्माण की प्रतीक दो बातें-

- मशहूर जर्मन सुपर हाइवे, तथा
- जनता की कार फॉक्सवैगन।

प्रश्न 18.
हिटलर की विदेश नीति की तीन मुख्य विशेषताएँ लिखिए।
उत्तर:
हिटलर की विदेश नीति की तीन मुख्य विशेषताएँ निम्न प्रकार हैं-

- राष्ट्रसंघ छोड़ना-विदेश नीति के तहत हिटलर ने सबसे पहले 1933 में 'लीग ऑफ नेशंस' की सदस्यता छोड़कर उससे पल्ला झाड़ा।।
- वृहत्तर जर्मनी के निर्माण की ओर कदम-हिटलर ने धीरे-धीरे वृहत्तर जर्मनी के निर्माण की ओर कदम बढ़ाते हुए राईनलैंड, आस्ट्रिया तथा चैकोस्लोवाकिया पर कब्जा कर लिया।
- युद्ध का सहारा-हिटलर ने आर्थिक संकट से निपटने के लिए युद्ध का विकल्प चुना । वह राष्ट्रीय सीमाओं का विस्तार करते हुए ज्यादा से ज्यादा संसाधन जुटाना चाहता था।

प्रश्न 19.
जाति (Race) के सम्बन्ध में नात्सी विचारधारा का वर्णन कीजिए।
उत्तर:
जाति (Race) अर्थात् नस्ल के सम्बन्ध में नात्सी विचारधारा बहुत खतरनाक थी। उनके विश्व दृष्टिकोण में समाजों को बराबरी का हक नहीं था, वे जातीय आधार पर बेहतर या कमतर थे। इस दृष्टिकोण से नात्सियों के अनुसार नॉर्डिक जर्मन आर्य सर्वश्रेष्ठ थे तथा यहूदी सबसे निकृष्ट थे। बाकी सभी समाजों को उनके बाहरी रंग-रूप के आधार पर जर्मन आर्यों तथा यहूदियों के बीच रखा गया था। उनकी दलील थी कि जो नस्ल सबसे ताकतवर है वह जिंदा रहेगी, कमजोर नस्लें खत्म हो जायेंगी। उनके अनुसार चूंकि जर्मन आर्य नस्ल सबसे बेहतर है, अत: वही दुनिया पर राज करेगी।

प्रश्न 20.
1941 में सोवियत संघ पर हमला हिटलर की ऐतिहासिक बेवकूफी क्यों सिद्ध हुई?
उत्तर:
जून 1941 में हिटलर ने सोवियत संघ पर हमला किया। यह हिटलर की एक ऐतिहासिक बेवकूफी सिद्ध हुई क्योंकि-

- इस आक्रमण से जर्मन पश्चिमी मोर्चा ब्रिटिश वायुसैनिकों के बमवारी की चपेट में आ गया जबकि पूर्वी मोर्चे पर सोवियत सेनाएँ जर्मनों को नाकों चने चबवा रही थीं।

- सोवियत लाल सेना ने स्तालिनग्राद में जर्मन सेना को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। सोवियत लाल सैनिकों ने पीछे हटते हुए जर्मन सिपाहियों का आखिर तक पीछा किया और अन्त में वे बर्लिन के बीचोंबीच जा पहुंचे।
- इस घटनाक्रम ने अगली आधी सदी के लिए समूचे पूर्वी यूरोप पर सोवियत वर्चस्व स्थापित कर दिया।

प्रश्न 21.
न्यूरेम्बर्ग नागरिकता अधिकार, सितम्बर, 1935 की व्याख्या करें।
अथवा
"न्यूरेम्बर्ग कानून के तहत 'अवांछितों' को नागरिकों की तरह रहने का हक नहीं था", व्याख्या करें।
उत्तर:
न्यूरेम्बर्ग नागरिकता अधिकार, सितम्बर, 1935 के प्रमुख प्रावधान निम्नलिखित थे-

- जर्मन या उससे संबंधित रक्त वाले व्यक्तियों को ही जर्मनी की नागरिकता मिलेगी एवं उन्हें संरक्षण प्रदान किया जाएगा।
- यहूदियों एवं जर्मनों के मध्य विवाह संबंध नहीं हो सकते।
- यहूदियों एवं जर्मनों के मध्य विवाहेतर संबंधों को अपराध घोषित किया गया।
- यहूदी राष्ट्रीय ध्वज भी नहीं फहरा सकते थे।

प्रश्न 22.
'लेबेन्स्राउम' या जीवन-परिधि की भू-राजनीतिक अवधारणा के संदर्भ में हिटलर के विचार बतलाइये।
उत्तर:
'लेबेन्त्राउम' अवधारणा के सन्दर्भ में हिटलर के विचार निम्न प्रकार थे-

- वह मानता था कि अपने लोगों को बसाने के लिए ज्यादा से ज्यादा इलाकों पर कब्जा करना आवश्यक है। इससे मातृ देश का क्षेत्रफल बढ़ेगा एवं नए इलाके में जाकर बसने वालों को अपने जन्म-स्थान के साथ गहरे संबंध बनाए रखने में मुश्किल भी पेश नहीं आएगी।
- हिटलर इन विधियों से जर्मनी के लिए बेहिसाब संसाधन तथा शक्ति इकट्ठा करना चाहता था।
- हिटलर जर्मनी की सीमाओं को पूर्व की ओर फैलाना चाहता था ताकि जर्मन लोगों को भौगोलिक दृष्टि से एक ही जगह इकट्ठा किया जा सके। पोलैंड इस धारणा. की पहली प्रयोगशाला बना।

प्रश्न 23.
हिटलर की नस्ली सोच क्या थी और वह स्पेंसर के 'अति जीविता के सिद्धान्त' पर कैसे आधारित की गई?
उत्तर:
हिटलर की नस्ली सोच-हिटलर की नस्ली सोच यह थी कि विश्व के सभी समाजों को बराबरी का हक धार पर या तो बेहतर थे या कमतर थे। इस दष्टिकोण से ब्लॉन्ड. नीली आँखों वाले और नार्डिक जर्मन आर्य सबसे ऊपरी और यहूदी सबसे निचली पायदान पर आते थे। बाकी तमाम समाजों को उनके बाहरी रूप-रंग के हिसाब से जर्मन आर्यों और यहूदियों के बीच में रखा गया था।

हिटलर की यह नस्ली सोच डार्विन और हर्बर्ट स्पेंसर के 'अति जीविता के सिद्धान्त' पर आधारित थी जिसमें कहा गया कि जो सबसे योग्य है, वही जिंदा बचेगा। नस्लवादी विचारकों व राजनेताओं ने पराजित समाजों पर अपने साम्राज्यवादी शासन को सही ठहराने के लिए डार्विन के चयन सिद्धान्त या स्पेंसर के अतिजीविता सिद्धान्त का सहारा लेते हुए यह दलील दी कि जो नस्ल सबसे ताकतवर है, वह जिंदा रहेगी; कमजोर नस्लें खत्म हो जाएँगी। इस दृष्टि से चूंकि आर्य नस्ल सर्वश्रेष्ठ है, उसे बनाए रखने के लिए दुनिया पर वर्चस्व कायम करना है।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 24.
आम जर्मनी के लोगों की नाजीवाद के बारे में क्या प्रतिक्रिया थी?
उत्तर:
नाजीवाद के बारे में आम जर्मनी के लोगों की प्रतिक्रिया निम्न प्रकार थी-

- अधिकतर लोगों ने नात्सी की नजरों से विश्व को देखा तथा अपने विचारों को नात्सी की भाषा में प्रकट किया।

- लेकिन अनेक लोगों ने पुलिस दमन तथा मौत की आशंका के चलते भी नात्सीवाद का जमकर विरोध किया।
- जर्मन आबादी का एक बहुत बड़ा हिस्सा इस पूरे घटनाक्रम का मूकदर्शक तथा उदासीन साक्षी था। लोग नात्सीवाद का विरोध करने से डरते थे।
- शार्लट बेराट के अनुसार नात्सियों द्वारा किया गया प्रचार इतना प्रभावशाली था कि एक समय के बाद यहूदी खुद भी नात्सियों द्वारा फैलाई जा रही रूढ़ छवियों पर यकीन करने लगे थे।